कृष्ण भजन-ओ राधा ! ओ कृष्ण !
ओ कृष्ण ! मितवा हमारे (2)
दिल के हो प्यारे, साथी हमारे,
मितवा को प्यारे,
यमुना किनारे आजा कान्हा ओ कान्हा

ऊपर के शब्दों महिला की आवाज़ में

ओ राधा ! ओ कृष्ण !

सुबह की तू लाली, में हूँ सवेरा
तू है चकोरी में, चन्दा हूँ तेरा
जीवन की नैया के साथी सहारे,
मितवा हमारे ....

जन्मों से तेरी हूँ, तेरी रहूंगी (2)
सेहने पड़े जो, दुःख भी सहूंगी
एक पल भी अब तो ना गुज़रे वो सारे
मितवा हमारे ....